क्रिस्टल फूल और सूर्य

मूल फ़ारसी लोक कहानी

लेखक : फ़रीदा फ़र्दजाम

चित्र : निकज़ाद नोजूमी

हिंदी: दीपक थानवी

क्रिस्टल फूल और सूर्य

मूल फ़ारसी लोक कहानी
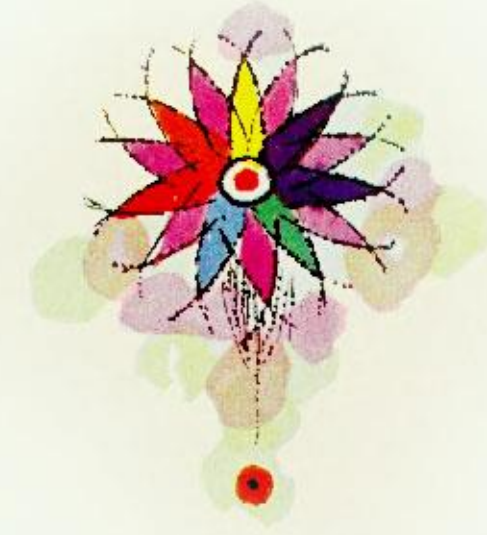
लेखक : फ़रीदा फ़र्दजाम

चित्र : निकज़ाद नोज़ूमी

हिंदी: दीपक थानवी

ठंड से जमे हुए उत्तरी ध्रुववृत्त का आकाश रात के अंधेरे से भरा था। अंधेरा एक महीना रहा। दो महीने रहा। उत्तरी ध्रुववृत्त में अंधेरा पूरे छः महीने तक रहा। फिर रात ढलने लगी और तारे एक-एक करके चमकने लगे और चंद्रमा धीरे-धीरे गायब हो गया।

और सुदूर देशों में जहां रंग-बिरंगे शहर भोर में चमकते थे, सूर्य नीले आकाश में प्रकट हुआ। फिर वह आकाश में ऊपर आता रहा और तब तक ऊपर आता रहा जब तक उसकी किरणें ठंडे ध्रुवीय क्षेत्र में नहीं पहुंच गयी।
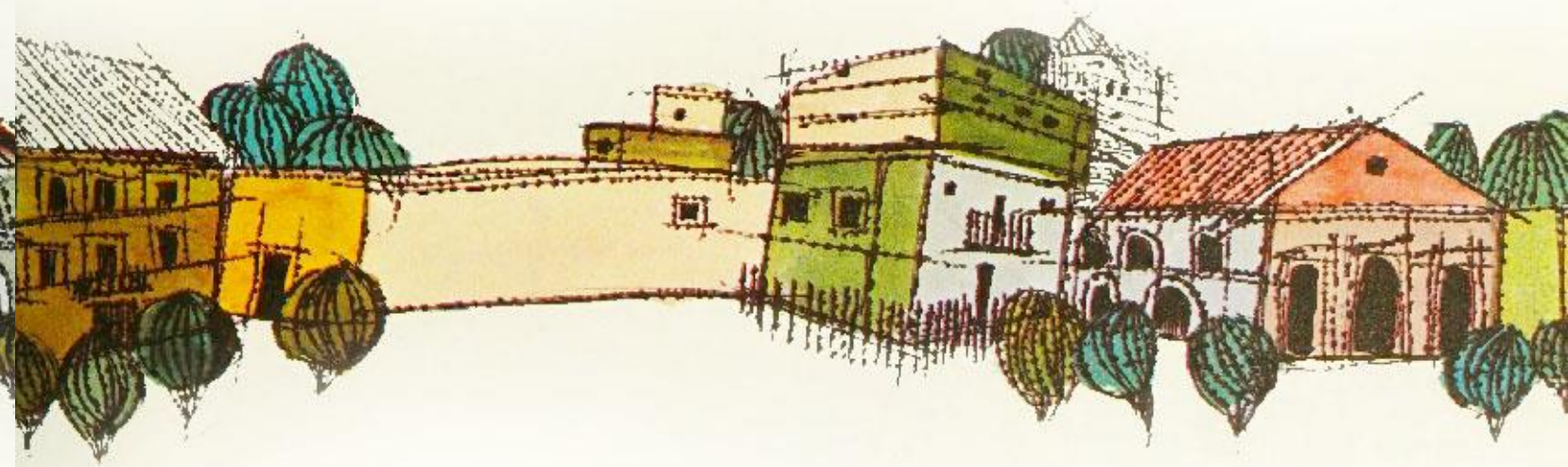
नारंगी की तरह दिखने वाले सूर्य ने अपनी किरणें ज़मीन पर बिखेरी, और उसकी रोशनी में ज़मीन पर पड़ी बर्फ़ और आसमान से गिरने वाली बर्फ़ नारंगी रंग सी चमकने लगी। सूर्य आकाश की नीली दीवार की ओर झुकने लगा और मन ही मन सोचने लगा, "यह कितनी शांत दुनिया है।" आकाश में हवा ठंडी थी; उसके नीचे की ज़मीन बर्फ़ से ढकी थी। एक अकेला सफ़ेद पक्षी हवा में उड़ रहा था और सूर्य की किरणों में चमक रहा था। और इस तरह दिन बीत गया।

फिर एक दिन ज़मीन पर पड़ी बर्फ के एक छोटे से समूह से हल्की झन-झन की आवाजें आने लगीं। धीरे-धीरे बर्फ अलग-अलग क्रिस्टल उंगलियों के रूप में खुलने लग गई। क्रिस्टल पारदर्शी ठोस बर्फ़ होती है। धीरे-धीरे एक उंगली एक लंबे क्रिस्टल तने में बदल गई। बर्फ के साफ़ नुकीले टुकड़े, तने के शीर्ष के चारों ओर से अपने आप बाहर आ गए।

एक-एक करके, इंद्रधनुष के रेशमी फीते के सारे रंग जमी हुई पंखुड़ियों में दिखाई देने लगे। और वहां सूर्य के नीचे बर्फ पर चमकदार लाल, नारंगी, पीले, हरे, गहरे नीले और बैंगनी रंग का एक क्रिस्टल फूल खड़ा था।

सूर्य ने अपनी लाखों-करोड़ों दिनों की यात्रा में बहुत से फूल देखे थे; बड़ी पंखुड़ी वाले फूल, छोटी पंखुड़ी वाले फूल। उसने नीले फूल और गुलाबी फूल, बैंगनी और सफेद फूल देखे थे, लेकिन उसने पहले कभी क्रिस्टल फूल नहीं देखा था।

और सूर्य ने क्रिस्टल फूल से बात की और कहा, "क्रिस्टल फूल, तुम उन सभी फूलों से अधिक प्यारे हो जो अन्य देशों में लहराती हरी घास पर उगते हैं। वहां लोग केवल सबसे प्यारे फूलों को चुनते हैं और उन्हें कमरों में फूलदान में रखते हैं। यदि लोग तुम्हें देखते तो तुम्हें भी ले लेते और एक कमरे में एक फूलदान में रख देते। बताओ, तुम इस रूप में कैसे आये?"

जैसे ही क्रिस्टल फूल ने सूर्य के शब्द सुने, उसके इंद्रधनुष के रंग पहले से अधिक चमक उठे, और उसने कहा, "मैंने बर्फ के पीछे से तुम्हारी रोशनी देखी और दुनिया में आने के लिए तुम्हारी किरणों का अनुसरण किया। फिर उसने उससे पूछा, "सूर्य, अन्य देशों में फूल कैसे उगते हैं?"

और सूर्य ने उसे उत्तर दिया। फूल खुद को गर्म धरती से बाहर रखते हैं और मेरी रोशनी में जीते हैं। उनके चारों ओर हवा ताज़ा है। उनके तने और पत्तियाँ ठंडी हवा में झुकती और लहराती रहती हैं।

"फिर क्यों," क्रिस्टल फूल ने पूछा, "मेरा तना ठंडी बर्फ से चिपक गया है? ऐसा क्यों है कि केवल हवा और बर्फ ही मेरे चारों ओर घूमती है?"

"क्योंकि," सूर्य ने कहा, "यहाँ उत्तरी ध्रुव पर हवा और ठंड और बर्फ के अलावा कुछ भी नहीं रहता है।"

और इस प्रकार वे एक साथ बातें करने लगे, और सूर्य कई दिनों तक क्रिस्टल फूल से बातें करता रहा।

और सूर्य ने क्रिस्टल फूल को वह सब बताया जो उसने दुनिया में देखा था। उसने शहरों और शहरों में काम करने के लिए दौड़ने वाले लोगों के बारे में बात की। उसने उन अद्‌भुत चीज़ों के बारे में बताया जो कारखानों में श्रमिक बनाते हैं। उसने शहरों में बने हुए सुंदर घरों के बारे में बात की, जिनकी दीवारें उसकी किरणों में नीली या हरी, नारंगी या गुलाबी रंग से चमकती हैं। और उसने क्रिस्टल फूल को बताया कि उसने उनकी छतों, उनकी खिड़कियों के शीशों और उनके लोहे के दरवाजों को कैसे अपनी ऊष्मा से गर्म किया।

और सूर्य ने क्रिस्टल फूल से घने जंगलों के बारे में बताया कि वह जंगलों के नीचे नहीं देख सकता था, उसने बताया, घाटियों में उगने वाले गेहूं के खेतों के बारे में, खेतों में काम करने वाले ग्रामीणों के बारे में, और लाल, भूरे और हरे रंग के ऊनी कपड़े पहने चरवाहों के बच्चों के बारे में जो हरी घास की पहाड़ियों पर भेड़ चराते हैं।

जब सूर्य ने अपनी कहानियाँ ख़त्म कीं, तो छह महीने बीत चुके थे, और रात उसकी जगह लेने का इंतज़ार कर रही थी। सूर्य ने अपनी किरणें इकट्ठी करनी शुरू कर दीं और ठंडे देश को छोड़ने की तैयारी करने लगा। यह अन्य देशों के फूलों के उसकी गर्मी और रोशनी में खिलने का समय था।

क्रिस्टल फूल ने पूछा, "सूर्य, तुम अपना प्रकाश क्यों इकट्ठा कर रहे हो?"

और सूर्य ने उत्तर दिया, "मुझे अपना प्रकाश थोड़ा-थोड़ा करके इकट्ठा करना होगा और अन्य देशों में लौटना होगा जहां पेड़ और पक्षी और लोग सभी सुबह की प्रतीक्षा कर रहे हैं।"

क्रिस्टल फूल अपने दोस्त से अलग होने के विचार से दुखी था और उसने कहा, "यदि तुम जाओगे, तो रात हो जाएगी। अंधेरा हो जाएगा, और मैं कुछ भी नहीं देख पाऊंगा और किसी से बात नहीं कर पाऊंगा।"

सूर्य परेशान था। वह चिंता से काला पड़ गया और उसने अपना सिर आकाश की गहरी नीली दीवार पर टिका दिया।

फिर सूर्य ने उत्तर दिया, "तुम और मैं ध्रुव पर दिन के पूरे छह महीने दोस्त रहे हैं। लेकिन अब मुझे जाना होगा। अभी शहरों, खेतों और गांवों में मेरे दोस्त मेरी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।"

क्रिस्टल फूल चिल्लाया, "सूर्य, सूर्य, मुझे अपने साथ ले जाओ! मुझे तोड़ो और मुझे अपने कमरे में एक फूलदान में रख दो। मैं भी अन्य देशों की भूमि देखना चाहता हूं - कारखानों और घरों से भरे शहर, फलों से भरे बगीचे और सब्जियाँ और फूल, खेत जहाँ लोग खेती करते हैं, बाज़ार जहाँ लोग हँसते हैं और व्यस्त रहते हैं। मुझे अपने साथ ले चलो, सूर्य," फूल ने विनती की।

लेकिन सूर्य अभी भी परेशान था और बोला, "अब तुम मुझसे बहुत दूर हो, और मेरी सारी गर्मी तुम तक नहीं पहुँचती है। अगर तुम मेरे साथ आओगे तो पिघल जाओगे। तुम अब एक सुंदर क्रिस्टल फूल नहीं रहोगे।"

लेकिन क्रिस्टल फूल ने उसके साथ जाने की विनती की और कहा, "फिर भी, मैं तुम्हारे दोस्तों के पास रोशनी ले जाने के लिए तुम्हारे साथ जाना चाहता हूं।"
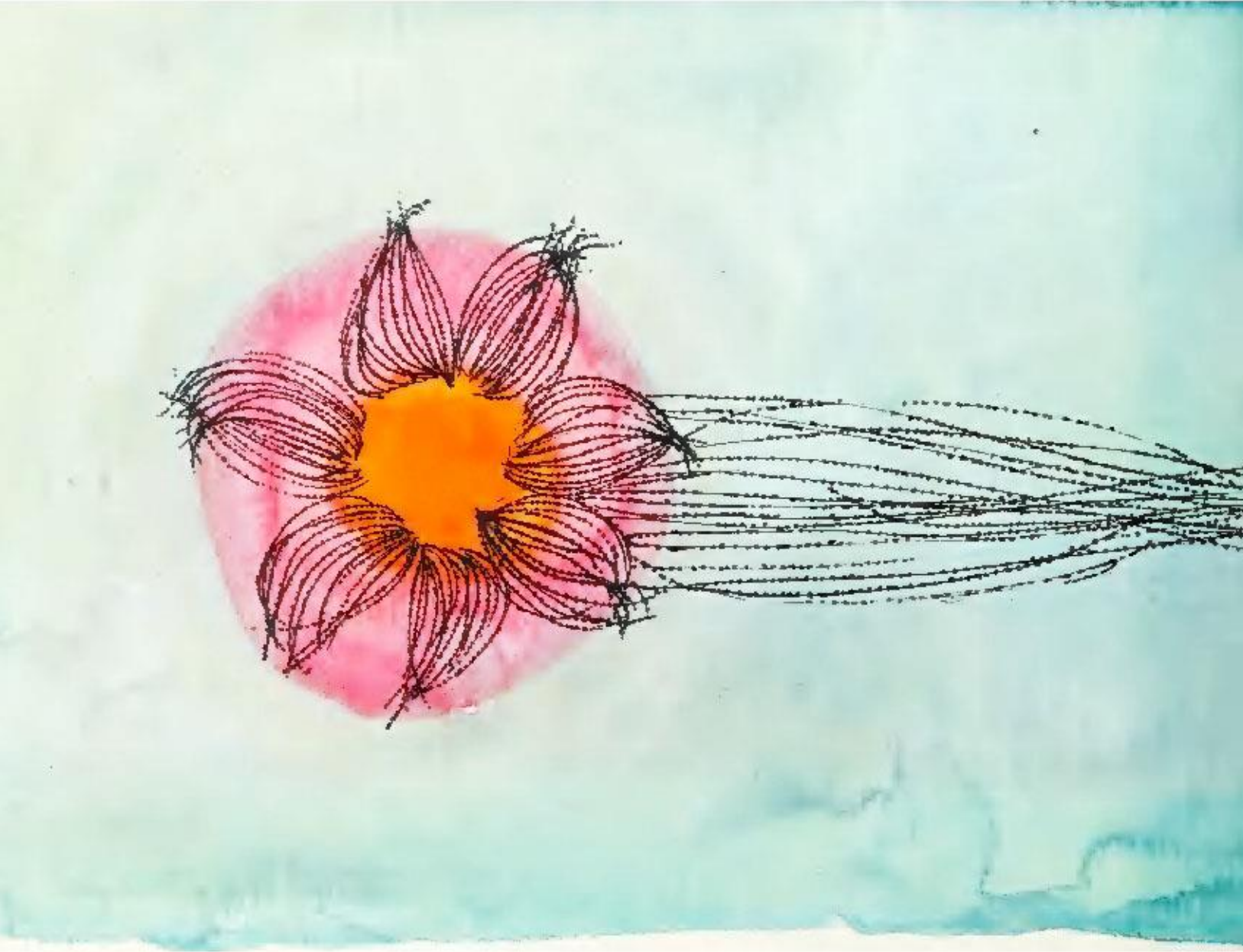
सूर्य चमक उठा और उसने अपनी आखिरी किरणें क्रिस्टल फूल पर तीव्रता से चमकाईं। और एक सुनहरी कमरबंद रस्सी की तरह, प्रकाश की एक किरण ने क्रिस्टल फूल के तने के चारों ओर खुद को बांध लिया और उसे बर्फ से मुक्त कर दिया। फिर धीरे-धीरे, आहिस्ता-आहिस्ता, वह आकाश की ओर उठा, अपने दोस्त के और भी करीब आता गया।
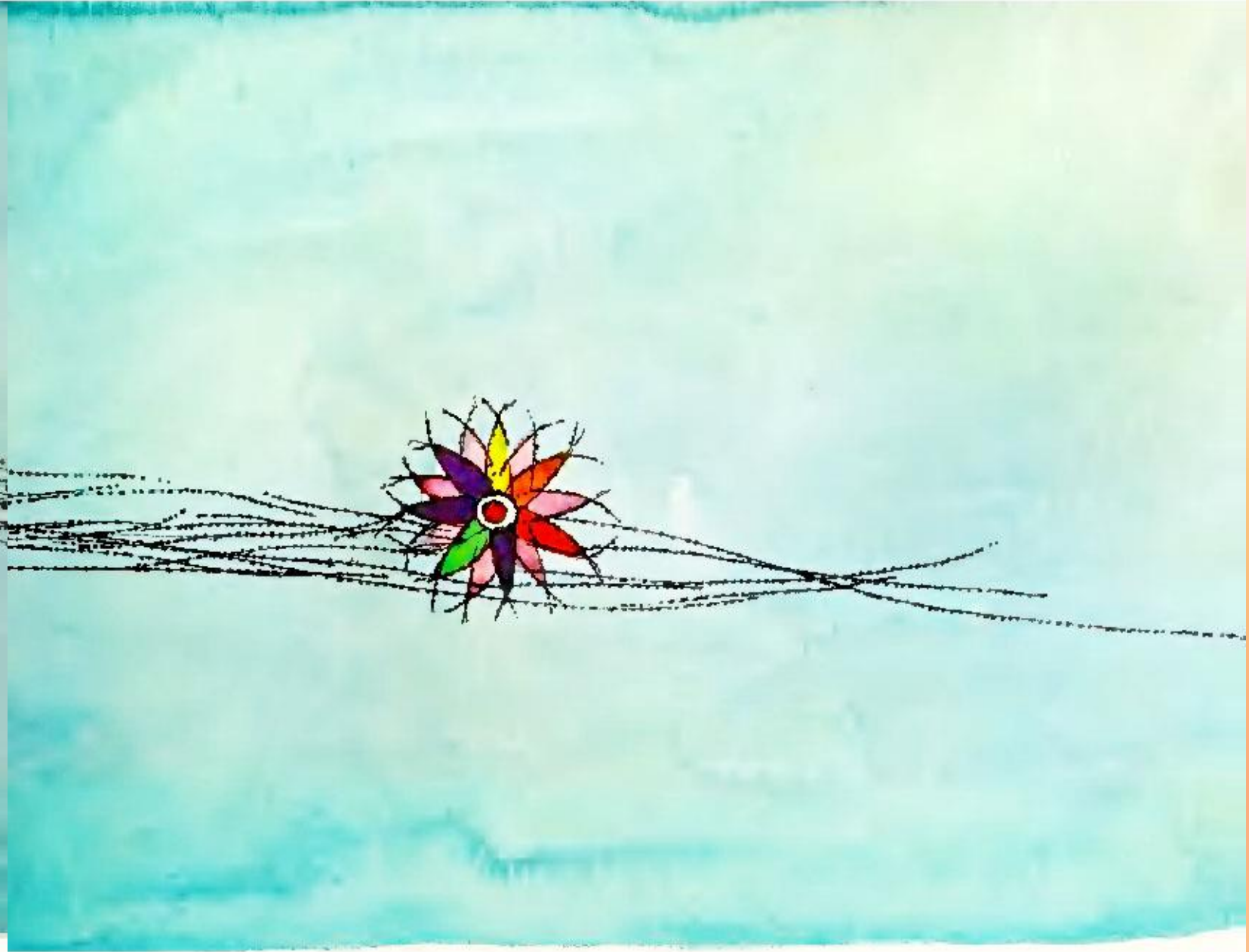
"तुम पिघलने वाले हो, मेरे प्यारे फूल।" सूर्य ने आह भरी।

फूल ने उत्तर दिया, "इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, अब मैं तुम्हारे साथ दुनिया में सुबह लाऊंगा।"

और सूर्य अपनी गर्मी और प्रकाश की किरणें चमकाते हुए पूरी दुनिया पर घूमता रहता है। सूर्य के मुख पर एक छोटा सा काला धब्बा है। कुछ लोग इसे सनस्पॉट कहते हैं। लेकिन अन्य लोग जानते हैं कि यह वास्तव में क्रिस्टल फूल है जो अभी भी सूर्य के साथ यात्रा कर रहा है।